शरद पूर्णिमा : मंत्रों से मनाएं लक्ष्मी और कुबेर को

शरद पूर्णिमा : लक्ष्मी और चंद्र की आराधना का पर्व

शरद पूर्णिमा मां लक्ष्मी और चंद्रमा की आराधना करने का शुभ पर्व है। चंद्र की शुभ्र किरणें जब आंगन में बिखरेंगी तब बरसेगी धन-दौलत और मिलेगा दिव्य लक्ष्मी का आशीर्वाद।

पढ़ें कैसे पाएं मंत्रों से दैवीय कृपा-

शरद पूर्णिमा की रात में की गई चंद्र पूजन और आराधना से साल भर के लिए लक्ष्मी और कुबेर की कृपा प्राप्ति होती है। इसके अलावा मनोबल में वृद्धि, स्मरण शक्ति में बढ़ोतरी, अस्थमा से छुटकारा, ग्रह बाधा से निवारण, घर से दारिद्र्य भगाने जैसी समस्याओं का समाधान होता है।

अगले पेज पर पढ़ें : शरद पूर्णिमा की रात कैसे मनाएं लक्ष्मी को

शरद पूर्णिमा की रात मां लक्ष्मी को मनाने का मंत्र

ऊं श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

अगले पेज पर पढ़ें शरद पूर्णिमा की रात कैसे मनाएं कुबेर क :ो

शरद पूर्णिमा की रात कुबेर को मनाने का मंत्र -:

ऊं यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन धान्याधिपतये
धन धान्य समृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा।।

अगले पेज पर पढ़ें शरद पूर्णिमा की रात कैसे पाएं सौभाग्य का आशीर्वाद :

शरद पूर्णिमा की रात इस मंत्र से पाएं सौभाग्य का आशीर्वाद

"पुत्रपौत्रं धनं धान्यं हस्त्यश्वादिगवेरथम प्रजानां भवसि माता आयुष्मन्तं करोतु मे।"

अगले पेज पर शरद पूर्णिमा पर करें शिव को प्रसन्न :

शरद पूर्णिमा पर भगवान शिव की इस मंत्र से पूजा करें -

शिवलिंग का जल स्नान कराने के बाद पंचोपचार पूजा यानी सफेद चंदन, अक्षत, बिल्वपत्र, आंकडे के फूल व मिठाई का भोग लगाकर इस आसान शिव मंत्र का ध्यान कर जीवन में शुभ- लाभ की कामना करें-

यह शिव मंत्र मृत्युभय, दरिद्रता व हानि से रक्षा करने वाला भी माना गया है-

पंचवक्त्रस्त्रैर्दशभिश्चैव धारयन। :कराग्रै :
अभयं प्रसादं शक्तिं शूलं खट्वाङ्गमीश्वर।।:
दक्षैकरैर्वामकैश्च भ :ुजंग चाक्षसूत्रकम।
डमरुकं नीलोत्पलं बीजपूरकमुक्तमम।।